

04/07/22

पत्रावली वादी व उनके अधिकाधिक के  
 प्रार्थना - पत्र वास्तु विद्वां किमें जाते बाद  
 प्रस्तुत करने पर तलब होकर स्कारे  
 सतस पैसा हुई, वादी। वादी अधिकाधिक  
 के अपने रुपनी है। दोहराते हुए विवेक  
 लिया कि उपरोक्त वाद में लिखत वादग्रस्त  
 आराजीयात् वास्तु समाज उक्त गांव के  
 बुद्धिग अभिज्ञों की समझावश से पसरों  
 में आपसी समझौता हो गया है, जिससे  
 उपरोक्त वाद से वादीगण आगे नहीं  
 चलाना चाहते हैं, जिससे उक्त वाद से  
 वसी दर पर विद्वां किया जाना चाहते हैं  
 पूंके वादी जाकर स्वयं ही वाद से आगे नहीं  
 चाहते हैं, अतः इसी दर पर वाद विद्वां  
 किमें जाने के आदेश प्रदान किमें जाते हैं।  
 पत्रावली के लिये शुमार होकर नंबर से  
 मद्र है।

date

13

चालय श्री  
राजस्व

दा उर्फ

लाल

वा

म

सहायक कलक्टर (मु.), अजमेर